एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

सोमवार, 30 मार्च 2026, वर्ष

PAGE NO, III, MIDDLE

# ...और गांधारी ने भी बांध ली आंखों पर पट्टी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

**अमृत विचार :** एसआरएमएस रिद्धिमा के प्रेक्षागृह में रविवार की शाम शंकर शेष लिखित और विनायक श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित नाटक 'कोमल गांधार' का मंचन हुआ। महाभारत की पृष्ठभूमि पर आधारित इस नाटक में गांधारी के चरित्र को एक नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया गया।

गांधारी को धृतराष्ट्र से विवाह के लिए गांधार से हस्तिनापुर लाया जाता है। गांधारी को पता चलता है कि धृतराष्ट्र अंधे हैं तो वह विवाह मंडप में इस दुनिया को नहीं देखने की प्रतिज्ञा के साथ आंखों पर पट्टी बांध लेती हैं और मन से दुखी और प्रतिशोध के कारण पट्टी खोलने से मना कर देती है। बाद में धृतराष्ट्र भीष्म से कहते हैं कि मेरे और गांधारी के बीच कोई भावात्मक सम्बन्ध नहीं हैं। भीष्म यह सुन चिंतित हो जाते हैं। क्योंकि धृतराष्ट्र के किसी दासी से संबंध हैं। डर है कि दासी से उत्पन्न पुत्र आगे चलकर सत्ता पर दावा न कर दे।

नाटक का मंचन करते कलाकार। ● अमृत विचार

अगले दृश्य में शकुनि धृतराष्ट्र को समझाता है कि वो गांधारी से मिले और उत्तराधिकारी की बात करे। तब धृतराष्ट्र गांधारी से मिलते हैं । कुछ समय बाद दुर्योधन का जन्म हुआ। समय गुजरता है, गांधारी धृतराष्ट्र से कहती है कि वो दुर्योधन को पांडवों को पांच गांव देने के लिए समझाएं। दुर्योधन मना कर देता है और महाभारत के युद्ध में भीम से पराजित हो जाता है। एक सरोवर के किनारे मरणासन्न अवस्था में पड़े दुर्योधन से मिलने संजय के साथ गांधारी और धृतराष्ट्र जाते हैं। दुर्योधन गांधारी को उलाहना देता है कि उसने हम भाइयों के सिर पर कभी ममता का हाथ नहीं

**● गांधारी ने अपने अंतर्मन, पीड़ा, संघर्ष और वैचारिक शक्ति को किया आत्मसात**

फेरा क्योंकि तेरे मन में इस वंश के प्रति क्रोध था। इसके बाद गांधारी और धृतराष्ट्र महल छोड़ जंगल में चले जाते हैं। जंगल में धृतराष्ट्र गांधारी से पट्टी खोलने को कहते हैं। गांधारी पट्टी खोल देती है। धृतराष्ट्र पूछते हैं कि जंगल में कहीं आग लगी है क्या ? दोनों धीरे धीरे उस आग में चले जाते हैं। नाटक यहीं पर समाप्त हो जाता है। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, देविशा मूर्ति, उषा गुप्ता, इंजीनियर सुभाष मेहरा, डा.प्रभाकर गुप्ता, डा.अनुज कुमार, डा.शैलेश सक्सेना, डा.आशीष कुमार, डा.रीता शर्मा समेत अन्य लोग मौजूद रहे।